अमानक खाद्य पदार्थों के 13 मामलों में जुर्माना

श्रीगंगानगर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं जिला कलेक्टर डॉ. मंजू के निर्देशों पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। सैंपल रिपोर्ट में अमानक पाए गए खाद्य पदार्थों के मामलों में अधिनियम के तहत न्यायालय की ओर से ऐसे 13 संस्थान मालिकों को जुर्माना लगाकर दंडित किया गया है।

सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है और अमानक खाद्य पदार्थ बेचने वालों के नाम विभाग सार्वजनिक कर रहा है ताकि आमजन जागरूक हो सकें। वहीं न्यायालय की ओर से भी ऐसे लोगों को दंडित किया जा रहा है। न्यायालय की ओर से पुरानी छोटी धान मंडी स्थित मैसर्स खजान चंद एंड संस की डेयरी क्रीम सब स्टैंडर्ड मिलने पर एक लाख रूपए जुर्माना, पुरानी आबादी वार्ड नंबर नौ टावर रोड स्थित गणेश किराना स्टोर का घी (ॐ कृष्णा ब्रांड) सब स्टैंडर्ड मिलने पर 70 हजार रूपए जुर्माना, सुखाडिया सर्किल मार्ग स्थित होटल खुराना पैलेस का पनीर सब स्टैंडर्ड मिलने पर 15 हजार रूपए जुर्माना, सेंट्रल सिटी मार्किट रीको स्थित हर्ष ट्रेडिंग कंपनी का एडिबल ऑयल (राज किंग ब्रांड) सब स्टैंडर्ड मिलने पर 40 हजार रूपए जुर्माना लगाया गया।

भीषण गर्मी में पी.बी.एम. हॉस्पिटल में फेल हो रहे ए.सी.

- **पीबीएम की आईसीयू में रात को 8 ए.सी. बंद, तीन के कंप्रेशर खराब, रिपेयरिंग सही नहीं होने के कारण बार-बार बंद हो रहे हैं**
- **आईसीयू छत पर होने और मशीनों की हीट के कारण पूरी रात तप रहा था। मरीजों में भारी बेचैनी रही, परिजन रातभर पंखी या गत्ते से हवा करते रहे**

बीकानेर, (कासं)। भीषण गर्मी का दौर शुरू होते ही पीबीएम हॉस्पिटल में ए.सी. फेल होने लगे हैं। रिपेयरिंग सही नहीं होने के कारण बार-बार बंद हो रहे हैं। मेडिसिन आईसीयू भी तप रहा है। वहां भर्ती गंभीर मरीज पसीने में तरबतर रहे। परिजन रात भर गत्ते से हवा करते रहे।

गर्मी में पारा 45 पार हो चुका है। पीबीएम हॉस्पिटल में मरीजों की भीड़ भी बढ़ने लगी है। पीबीएम परिसर और कॉलेज सहित सभी बिल्डिंग्स को मिलाकर करीब एक हजार एसी लगे हुए हैं, जिनमें से चार सौ से अधिक खराब पड़े हैं। जिन ए.सी. की रिपेयरिंग हो गई उनके भी बार-बार बंद होने की समस्या आ रही है। मेडिसिन विभाग के पोस्ट कोविड आईसीयू में दस ए.सी. में से रात को आठ बंद पड़े थे। इनमें से तीन ए.सी. का कंप्रेशर ही फट गया था। इस आईसीयू में भर्ती सभी मरीज गंभीर किस्म के हैं और ऑक्सीजन पर हैं। इनमें से कुछ वेंटिलेटर पर हैं।

आईसीयू छत पर होने और मशीनों की हीट के कारण पूरी रात तप रहा था। मरीजों में भारी बेचैनी रही। परिजन रातभर पंखी या गत्ते से हवा करते रहे। मामला चिकित्सा शिक्षा सचिव तक पहुंचने पर डॉक्टरों के हाथ पैर फूल गए। सुबह आठ बजे ही ईएमडी विभाग और ठेकेदार के श्रमिक मौके पर पहुंचे। उन्होंने सात एसी चला दिए लेकिन तीन नहीं चले। उनके कंप्रेशर दिल्ली से मंगवाए गए हैं।

हॉस्पिटल में मेडिसिन, सर्जरी सहित विभिन्न विभागों के करीब एक दर्जन आईसीयू हैं। सभी में ए.सी. के ऐसे ही हालात हैं। हल्दीराम मूलचंद हार्ट हॉस्पिटल में एक करोड़ रूपए की लगात से कूलिंग प्लांट लगाने की तैयारी की जा रही है। यह राशि भामाशाह हल्दीराम ट्रस्ट ने मुहैया कराई है। इसके लिए बाहर से इंजीनियर बुलाए गए हैं। वर्तमान में हार्ट हॉस्पिटल में भी एसी बार-बार बंद हो रहे हैं। 15 साल पुराना कूलिंग प्लांट अब किसी काम का नहीं रहा। सीसीयू, कॉटेज वार्ड सहित जनरल वार्डों में पिछले साल अलग से ए.सी. लगाए गए थे, लेकिन टेम्परेचर बढ़ने के कारण वे भी जवाब देने लगे हैं।

पीबीएम हॉस्पिटल में एसी 24 घंटे चलते हैं। हॉस्पिटल में मेडिसिन, सर्जरी सहित विभिन्न विभागों के 12 आईसीयू हैं। इसके अलावा पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड और ऑपरेशन थिएटर भी हैं। इस स्थानों पर हर जगह आठ से दस एसी लगे हुए हैं, जो 24 घंटे चलते हैं। मरीज और मशीनों के कारण उन्हें बंद नहीं किया जा सकता। एसी के आउटर छत पर रखे हुए हैं। ईएमडी कर्मचारियों का कहना है कि आउटर भी गर्म हवा फेंकते हैं। टेम्परेचर बढ़ने के कारण उनमें डबल गर्मी हो जाती है, जिससे ए.सी. ट्रिप नहीं करता और उसकी कूलिंग बंद हो जाती है।

आईसीयू में एसी का ध्यान कोई नहीं रखता, जबकि दस ए.सी. हैं तो आधे ए.सी. दिन में और आधे रात में चलाकर मैनेज करना चाहिए। इसी प्रकार डॉक्टर्स, नर्सिंग सुपरवाइजर, मैटर्न, डीसीएनएस, नर्सिंग नेता, नर्सिंग स्कूल, क्लास सभी जगह पर ए.सी. खाली कमरों में भी चलते रहते हैं। यही हालात मेडिकल कॉलेज के हैं। हाल ही में वहां 15 ए.सी. भामाशाह ने दिए हैं, जिनमें से 9 लाइब्रेरी में लगा दिए। बाकी एसी की मांग पीबीएम प्रशासन कर रहा है। भीषण गर्मी में ले लगने के साथ ही खान-पान का ध्यान नहीं रखने के कारण लोग बीमार पड़ने लगे हैं। पीबीएम हॉस्पिटल में मेडिसिन आउटडोर में सोमवार को 800 मरीज पहुंचे, जिनमें से 44 भर्ती किए गए हैं। इनमें आठ-दस उल्टी, दस्त और बुखार के हैं। सोमवार को प्रथम यूनिट का ओपीडी था। इस यूनिट को ई और के वार्ड में 22-22 कुल 44 बैड आवंटित हैं। भर्ती हुए कुछ मरीजों को छुट्टी देने पर भी करीब 15 बैड ही खाली हुए हैं।

फलस्वरूप मरीजों को फर्श पर ही सोना पड़ रहा है। प्रथम यूनिट हैड डॉ. वी.बी. सिंह ने बताया कि गर्मी में लोग लू लगने से बीमार हो रहे हैं। दूसरा कारण बाहर का खाना है। होटल, रेस्टोरेंट, फास्ट फूड के गाड़ों आदि पर खाद्य सामग्री शाम तक खराब हो जाती है। इन दिनों पेयजल को लेकर भी काफी शिकायतें आ रही हैं।

पानी दूषित होने के कारण भी पेट संबंधी विकार हो रहे हैं। इसलिए बर्फ के गोले, आइसक्रीम आदि ठंडी वस्तुएं खाते समय स्थान और क्वालिटी का जरूर ध्यान रखें। उल्टी, दस्त, बुखार की समस्या होने पर तत्काल नजदीक के डॉक्टर को दिखाएं।

लू के कारण आंगनबाड़ी केन्द्र बंद रहेंगे

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और तेज लू के चलते जिला कलेक्टर ने सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों को आगामी आदेश तक बंद रखने, 3 से 6 साल तक के बच्चों को केन्द्र नहीं बुलाने, बच्चों को मिलने वाला पोषण राशन अब टेक होम पैकेज के रूप में घर-घर पहुंचाने के आदेश जारी किए हैं।

कलेक्टर डॉ. मंजू ने आदेश जारी कर कहा कि यह कदम बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए उठाया गया है। गर्भवती और धात्री महिलाओं को भी समय पर पोषण सामग्री देने के निर्देश दिए गए हैं। पिछले कई दिनों से श्रीगंगानगर समेत उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में लू का प्रकोप जारी है। दिन का तापमान 45 डिग्री से ऊपर पहुंच चुका है। ऐसे में छोटे बच्चों का बाहर निकलना जानलेवा हो सकता है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में हीटवेव और तेज हो सकती है। प्रशासन ने सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को निर्देश दिए हैं कि कोई भी बच्चा पोषण लाभ से वंचित न रहे। घर-घर जाकर पोषण सामग्री बांटी जाए। यह आदेश महिला एवं बाल विकास विभाग जयपुर के निर्देश पर जारी किया गया है। श्रीगंगानगर महिला एवं बाल विकास विभाग उपनिदेशक सुमित्रा बिश्नोई सभी संबंधित ब्लॉक अधिकारियों को आदेश की सख्ती से पालना कराने के निर्देश दिए गए है।

श्रीराम जल मंदिर सेवा का उद्घाटन

केईएम रोड़ बाबा शूज शोरूम के आगे विधायक जेठानंद व्यास ने श्रीराम जल मंदिर सेवा का उद्घाटन किया।

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर के सेवा भावी सेवादार रामकिशन महाराज कोलासर वाले पिछले 11 वर्षों से लगातार बीकानेर शहर के व्यस्तम मार्ग केईएम रोड़ बाबा शूज शोरूम के आगे आम राहगीरों के लिए 'श्री राम जल मंदिर' के नाम से शीतल पीने के पानी की मई- जून माह के महिनें में सेवा देते आ रहे हैं। इस साल भी20 मई को 12 वीं (श्री राम जल मंदिर) सेवा का शुभारंभ बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास द्वारा फीता काट कर किया गया। इस अवसर पर केईएम रोड पर शीतल जल व्यवस्था करने वाले रामकिशन महाराज कोलासर वालों ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मई जून माह के भयंकर तपन में राहगीरों के लिए केईएम रोड़ पर मंगलवार को विधिवत श्रीराम मंदिर जल सेवा का उद्घाटन बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास द्वारा फीता काट कर किया गया। इस अवसर बीकानेर शहर भाजपा अध्यक्ष सुमन छाजेड़, पूर्व पार्षद सुनील बांठिया, बैंक कर्मचारी नेता सुनील दत्त नागल, समाजसेवी एवं विप्र नेता किसन जोशी, पूर्व पार्षद किसन चौधरी, बीजेपी नेता जोगेंद्र शर्मा, रामकुमार व्यास, जल सेवा व्यवस्थाओं में विशेष सहयोगी सैय्यद अख्तर, शाकिर हुसैन चौपदार, हिम्मत जोशी, श्याम जोशी, देवेश भाटी, ओम जोशी सहित आदि सेवादार मौजूद थे। इस अवसर पर रामकिशन महाराज ने बताया कि ये सेवा हर रोज की सुबह ग्यारह बजे से सांय 6 बजे तक निशुल्क राहगीरों को जल सेवा दी जायेगी। बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि रामकिशन महाराज व उनके साथियों द्वारा समय-समय पर शहर में जल सेवा के कार्यों के अलावा अन्य सेवाएं भी दी जाती आ रही हैं।

मोदी करेंगे 26,000 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास

- **1300 से अधिक स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित करेंगे**

बीकानेर,(कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 मई को राजस्थान के दौरे पर बीकानेर आयेंगे और सुबह करीब 11 बजे देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री सुबह लगभग 11:30 बजे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे और बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखायेंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री 26,000 करोड़ रूपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित करेंगे और पलाना में एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री देश में रेल अवसंरचना को निरंतर बेहतर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1300 से अधिक स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जा रहा है, जिन्हें क्षेत्रीय वास्तुकला को प्रतिबिंबित करने और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

करणी माता मंदिर में आने वाले तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों की सेवा करने वाला देशनोक रेलवे स्टेशन मंदिर वास्तुकला, मेहराब और स्तंभ विषय वस्तु से प्रेरित है। तेलंगाना में बेगमपेट रेलवे स्टेशन काकतीय साम्राज्य की वास्तु कला से प्रेरित है। बिहार में थावे स्टेशन में 52 शक्तिपीठों में से एक मां थावेवाली का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न भित्ति चित्र और कलाकृतियां शामिल हैं और मधुबनी पेंटिंग को भी दर्शाया गया है। गुजरात का डाकोर स्टेशन रणछोड़राय जी महाराज से प्रेरित है।

देश भर में पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों में सांस्कृतिक विरासत के साथ आधुनिक बुनियादी ढांचे, दिव्यांगजनों के लिए यात्री-केंद्रित सुविधाओं और यात्रा के अनुभव को बेहतर करने के लिए टिकाऊ प्रथाओं को एकीकृत किया गया है। भारतीय रेलवे अपने नेटवर्क के 100 प्रतिशत विद्युतीकरण की ओर अग्रसर है, जिससे रेलवे संचालन अधिक कुशल और पर्यावरण अनुकूल बन रहा है।

इसी क्रम में प्रधानमंत्री चूरू-सादुलपुर रेल लाइन (58 किलोमीटर) और सूरतगढ़-फलोदी (336 किलोमीटर) फुलेरा-डेगाना (109) उदयपुर-हिम्मतनगर (210 किलोमीटर) फलोदी-जैसलमेर की आधारशिला रखेंगे।

निगम कार्मिक व चालकों से मारपीट

बीकानेर, (कासं)। नगर निगम के सफाईकर्मी और जेसीबी-डंपर चालकों से मारपीट का मामला कोटगेट पुलिस थाने में दर्ज किया गया है।

गंगाशहर में वाल्मीकि बस्ती निवासी नगर निगम में जमादार सफाईकर्मी ब्रह्मानंद राय की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि उसकी ड्यूटी वार्ड नंबर 77 में है। शाम को 4.45 बजे वह सफाई कार्य के लिए जेसीबी ड्राइवर मोहनलाल वाल्मिकी और डंपर ड्राइवर केशरीचंद वाल्मीकि के साथ कचरा उठाने रोशनी चौराहे से बड़ी गुवाड़ में सामुदायिक भवन जा रहा था। रास्ते में महेश कुमार मोची के मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। उसने बल्लियां लगा रखी थी जिससे जेसीबी और डंपर निकलना मुश्किल था। उसे हटाने के लिए कहा तो वह धक्का मुक्की और गाली-गलौज करने लगा। उसने अपने भाई और भतीजे सन्नी के साथ मिलकर मिलकर मारपीट की। मामले की जांच एएसआई जिलेसिंह को सौंपी गई है।

पीबीएम में 85 यूटीबी नर्सेज का हटना तय

- **अर्जेन्ट टेम्परेरी बेस (यूटीबी) पर कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर्स आमने-सामने हो गए**
- **दिनभर चले हंगामा होता रहा लेकिन कोई हल नहीं निकला**

बीकानेर, (कासं)। पीबीएम हॉस्पिटल और एसपी मेडिकल कॉलेज में अर्जेन्ट टेम्परेरी बेस (यूटीबी) पर कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर्स आमने-सामने हो गए। दिनभर चले हंगामा होता रहा लेकिन कोई हल नहीं निकला।

पीबीएम हॉस्पिटल में पिछले कई दिनों से नए नर्सिंग ऑफिसर्स की ज्वाइनिंग का काम चल रहा है। वर्तमान में 85 पद ही खाली हैं, जिन पर यूटीबी नर्सेज कार्यरत हैं। इन पदों के विपरीत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने 96 नए नर्सिंग ऑफिसरों की सूची भेज दी है। इससे 85 यूटीबी नर्सेज का हटना तय हो गया है। रोज 10-11 की ज्वाइनिंग हो रही है। यूटीबी को हटना प्रशासन के लिए बड़ी परेशानी बन गया है।

सरप्लस होने वालों को मेडिकल कॉलेज के लिए रिलीव किया जा रहा था, लेकिन अब प्रिंसिपल ने ऐसा करने से अधीक्षक को मना कर दिया है। क्योंकि कॉलेज के पास पद ही खाली नहीं है।

सरप्लस को एडजस्ट करने के चक्कर में पहले से काम कर रहे यूटीबी नर्सेज को हटना पड़ेगा। इसे लेकर यूटीबी के ही दो गुट बन गए। प्रिंसिपल के समक्ष दोनों ही आमने-सामने हो गए। दिन भर हंगामा होता रहा। प्रिंसिपल डॉ. गुंजन सोनी ने दोनों ही पक्षों को समझाने का प्रयास किया लेकिन दोनों ही अपनी-अपनी मांग पर अड़े रहे। एक पक्ष वहीं पर धरने पर बैठ गया। अंत में प्रिंसिपल को कक्ष से उठकर जाना पड़ा।

तैराकी 25 से

बीकानेर, (कासं)। जिला तैराकी संघ बीकानेर के अध्यक्ष हीरालाल हर्ष ने बताया कि सत्र 2025 की राज्य स्तरीय सीनियर तैराकी प्रतियोगिता 25 मई से सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में बीकानेर जिले की टीम भी भाग लेगी। संघ के सचिव शशांक शेखर जोशी ने बताया कि जिला स्तरीय सीनियर, जूनियर व सब जूनियर तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

एस.के.फाइनेंस लिमिटेड
(CIN : U65923RJ1994PLC009051)
पंजीकृत कार्यालय: जी 1-2, न्यू मार्केट, खातड़ा कोठी सर्किल, जयपुर- 302001 टोल फ्री: 1800 1039 039
ई-मेल : info@skfin.in

शाखा कार्यालय स्थानान्तरण करने हेतु सार्वजनिक सूचना

सर्वसूचित किया जाता है कि कम्पनी प्रबंधक के निर्णयानुसार हम अपनी **महाजन शाखा** को नये पते पर स्थानान्तरित कर रहे हैं:-
पुराना पता- पहला फ्लोर, बाबा रामदेव होटल के सामने, एनएच-62, सूरतगढ़ रोड, महाजन, तहसील-लूनकरनसर, जिला-बीकानेर-334604 (राजस्थान)
नया पता- ग्राउंड फ्लोर, वार्ड नं.-14, एनएच 62, बाबा रामदेव होटल के सामने, महाजन, जिला बीकानेर-334604 (राजस्थान)
अतः हम अपने सभी ग्राहकों से अनुरोध करते है कि भविष्य में हमारी किसी भी तरह की लोन सुविधाओं के लिए हमारे नये पते पर संपर्क करें।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर
क्रमांक :- LU2012/SGN/2025-26/101359 **लोक सूचना** दिनांक : 16.05.2025
श्री नितिन कुमार पुत्र श्री श्याम लाल निवासी आरजी-08 रिद्धि सिद्धि एन्कलेव, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का व्यावसायिक प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 16 एमएल तहसील व जिला श्रीगंगानगर	श्री नितिन कुमार पुत्र श्री श्याम लाल	चक 16 एमएल मुरब्बा नं. 35 के किला नं. 18/8 में 0.0580 है. यथाकुल 0.0580 हैक्टेयर	कुल 0.0580 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 16.5.2025 को जारी की गयी। - **प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर**

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर
क्रमांक :- LU2012/SGN/2025-26/101358 **लोक सूचना** दिनांक : 16.05.2025
श्री विपिन कुमार पुत्र श्री श्याम लाल निवासी 01 ए 08, जवाहर नगर, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का व्यावसायिक प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 16 एमएल तहसील व जिला श्रीगंगानगर	श्री विपिन कुमार पुत्र श्री श्याम लाल	चक 16 एमएल मुरब्बा नं. 35 के किला नं. 11/7 में 0.0323 है. किला नं. 12/10 में 0.0290 है. यथाकुल 0.0613 हैक्टेयर	कुल 0.0613 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 16.5.2025 को जारी की गयी। - **प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर**

48 घंटे बाद शोभासर जलाशय में आयेगा पानी

- **हरिके बैराज से 11 मई को खत्म की गई नहरबंदी के बाद 18 मई तक पूरे नहरी क्षेत्र में पानी पहुंचना चाहिए था जो अब 22 मई तक पहुंचेगा**

बीकानेर, (कासं)। यहां हरिके बैराज से पानी अब बढ़कर 3500 क्यूसेक हो गया। पहले से धीरे-धीरे चलकर आए पानी को जब पीछे से बढ़े हुए पानी की ठोकर मिली तो उसने गति पकड़ ली। शोभासर जलाशय तक पानी आने में अभी भी 48 घंटे लगेंगे। यानी 21 की शाम तक पानी आयेगा। पानी 22 से 23 मई के बीच तक जोधपुर और बाड़मेर तक पहुंचेगा।

इसके बावजूद हरिके से 11 मई को खत्म की गई नहरबंदी के बाद 18 मई तक पूरे नहरी क्षेत्र में पानी पहुंचना चाहिए था जो अब 22 मई तक पहुंचेगा। दरअसल 10 मई को जब नहरबंदी खत्म करने का ऐलान हुआ और 11 मई को हरिके बैराज से पानी छोड़ भी दिया गया। शुरूआत तो ठीक की मगर 24 घंटे में ही पानी 1000 क्यूसेक तक ही रह गया। सूखी नहर में 1000 क्यूसेक पानी तले में रह गया और आगे बढ़ने में उसने रफ्तार नहीं पकड़ी। ऐसे हालात 15 मई तक रहे। 15 के बाद जब राजस्थान का दबाव पड़ा तो पंजाब ने भाखड़ा डैम से 3500 क्यूसेक पानी लिया। वो पानी सतलुज नदी होते हुए जब हरिके पर पहुंचा तो पंजाब ने हरिके से आईजीएनपी में पानी बढ़ाया। अब जाकर पानी 3500 क्यूसेक हुआ।

गाय से अनैतिक कार्य, केस दर्ज

बीकानेर, (कासं)। यहां केजी काम्पलैक्स के पास गाय से अनैतिक काम करने और धार्मिक उन्माद फैलाने के प्रयास का आरोप लगाते हुए कोटगेट पुलिस थाने में केस दर्ज कराया गया है।

गंगाशहर में ललवानी मोहल्ला निवासी और युवा गौ सेवा समिति के अध्यक्ष धनपत मारू की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि नवाब गौवंश के साथ अनैतिक काम कर रहा था। मोहल्ले के लोग पहुंचे तो वह फरार हो गया।

सीसीटीवी फुटेज में घटनाक्रम आया है। आरोपी ने गाय के साथ दुष्कर्म किया और धार्मिक उन्माद पैदा करने का प्रयास किया। एसएचओ विश्वजीत सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गोगागेट स्थित पशु चिकित्सालय में गाय का मेडिकल मुआयना करवाया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

बीकानेर से चलने वाली ए.सी. बसों का संचालन ठप

- **जयपुर-जोधपुर जाने वाले यात्रियों को दूसरी बसों में किया शिफ्ट**

बीकानेर, (कासं)। लगातार तकनीकी खामियों के कारण यात्रियों को रोडवेज बस स्टैंड पहुंचने के बाद ही पता चलता है कि उनकी बस रद्द कर दी गई है। यह स्थिति यात्रियों में असंतोष और भ्रम पैदा कर रही है। कई बार यात्रियों को वैकल्पिक साधन ढूंढने पड़ते हैं जिससे उनकी यात्रा असुविधाजनक और महंगी हो जाती है।

पूर्व रोडवेज अधिकारियों के अनुसार बीते वर्ष अनुबंध पर ली गई एसी बसों के चयन और संचालन प्रक्रिया में कई नियमों को दरकिनार किया गया था। इन बसों में बैठने की क्षमता सीमित होने के बावजूद इन्हें महंगी दरों पर अनुबंधित किया गया। न केवल बीकानेर बल्कि पूरे राजस्थान से इन बसों में बार-बार तकनीकी खराबी की शिकायतें मिल रही है।

यहां से जयपुर और जोधपुर के बीच चलने वाली रोडवेज से अनुबंधित वातानुकूलित बसों की तकनीकी खामियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर इन दोनों रूट की बसों के एसी ने काम करना बंद कर दिया, जिससे यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। से जयपुर के लिए दोपहर 1:45 बजे और जोधपुर के लिए सुबह 11 बजे रवाना होने वाली अनुबंधित एसी बसों की एयर कंडीशनिंग प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया। इस वजह से यात्रियों को या तो टिकट रिफंड करवाना पड़ा या दूसरी बसों में स्थानांतरित होना पड़ा।

यह पहली बार नहीं है, इससे पहले भी जयपुर रूट की एसी बस में तकनीकी खराबी के चलते दूसरी बस को भेजना पड़ा था। आगार की मुख्य प्रबंधक इंदिरा गोदारा ने बताया कि जोधपुर जाने वाली बस को ठीक होने में कुछ दिन लग सकते हैं। जबकि जयपुर रूट की बस एक-दो दिन में फिर से संचालन में आ सकती है।

उन्होंने गर्मी को तकनीकी खराबी का एक संभावित कारण बताया है। अनुबंध शर्तों की पुनः समीक्षा होनी चाहिए,अनुबंधित बसों के चयन के मानकों को तकनीकी रूपसे मजबूत करना चाहिए। संचालन से पूर्व प्रत्येक बस की एसी प्रणाली सहित तकनीकी जांच अनिवार्य की जानी चाहिए। तय समयपर मेंटेनेंस की निगरानी होनी चाहिए।

राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
साधिकार प्रकाशित	Published by Authority

वैशाख 05, शुक्रवार, शाके 1947- अप्रेल 25, 2025
Vaisakha 05, Friday, Saka 1947- April 25, 2025

भाग-1 (ख)
महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।
सार्वजनिक निर्माण विभाग
अधिसूचना
जयपुर, अप्रेल 07, 2025
(अतंर्गत भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4(1))

Rajkaj 14635565 :- राजस्थान के राज्यपाल द्वारा भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के तहत् राजस्थान भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार नियम 2016 के प्रावधान अनुसार एवं राजस्थान सरकार के राजस्व (ग्रुप-6) विभाग के परिपत्र क्रमांक प. 1 (150) राज-6/2016/02 दिनांक 27/01/2017 के निर्देशानुसार केन्द्रिय सड़क एवं आधारभूत संरचना निधि (सी.आर.आई.एफ) की परियोजना सेतु बंधन के अन्तर्गत स्वीकृत रेलवे ओवर ब्रिज (आर.ओ.बी) बीकानेर LC No. 147 Block Section Kanasar- Lalgarh विकसित किये जाने के प्रयोजन से जिला बीकानेर की तहसील बीकानेर में निम्नानुसार प्रभावित गांव में भूमि अर्जन प्रस्तावित है:-

क्रम संख्या	जिला	तहसील	राजस्व ग्राम/नगर का नाम
1	2	3	4
1	बीकानेर	बीकानेर	कानासर

परियोजना हेतु नियमानुसार सामाजिक समाघात निर्धारण हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा सामाजिक आर्थिक विकास समिति, अधिषाशी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग जिला खण्ड प्रथम बीकानेर, (राजस्थान) एजेंसी का चयन किया गया है।
उपर्युक्त चयनित संस्था द्वारा परियोजना हेतु प्रस्तावित भू-अर्जन से प्रभावित गांवों में सामाजिक समाघात निर्धारण राजस्थान भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार नियम 2016 के प्रावधानानुसार किया जायेगा। सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रक्रिया निम्नानुसार होगी :-

1. संस्था द्वारा परियोजना हेतु प्रस्तावित भू-अर्जन से प्रभावित व्यक्तियों का विवरण तैयार कर सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रारूप रिपोर्ट तैयार की जावेगी।
2. प्रारूप रिपोर्ट की प्रति प्रभावित गांवों में समुचित स्थान पर प्रदर्शित की जावेगी। तत्पश्चात प्रभावित गांवों में पर्याप्त प्रचार प्रसार के उपरान्त जन सुनवाई की जावेगी, जिसकी कार्यवाही विवरण समुचित रूप से रिकॉर्ड किया जावेगा।
3. जन सुनवाई के दौरान आये सुझाओं/आपत्तियों के समुचित समाधान को शामिल कर सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट एवं सामाजिक समाघात प्रबंध योजना रिपोर्ट तैयार की जावेगी।
4. सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रक्रिया प्रभावित गांवों में सम्बन्धित ग्राम पंचायत/नगरपालिका के परामर्श से की जावेगी।
5. सार्वजनिक निर्माण विभाग माध्यम के तहत विकसित किये जाने वाली परियोजनाओं हेतु अधिनियम की धारा 2(2)() (पप) के प्रावधानानुसार प्रभावित परिवारों की सहमति आवश्यक होगी।
6. सामाजिक समाघात मूल्यांकन के दौरान किसी भी प्रकार के बल प्रयोग या धमकी का प्रयत्न इस कवायद को अंकृत और शून्य बना देगा।
7. सामाजिक समाघात निर्धारण प्रक्रिया को इस अधिसूचना की तिथि से अधिकतम 6 माह की अवधि से पूर्ण / सम्पूर्ण कराया जाना आवश्यक है।

सम्पर्क सूत्रः-
सामाजिक समाघात निर्धारण इकाई
अधिषाशी अभियन्ता
सार्वजनिक निर्माण विभाग
जिला खण्ड प्रथम बीकानेर (राजस्थान)
फोन नं. 9414271363
सामाजिक समाघात निर्धारण एजेन्सी
सामाजिक आर्थिक विकास समिति
अधिषाशी अभियन्ता
सार्वजनिक निर्माण विभाग
जिला खण्ड प्रथम बीकानेर (राजस्थान)
फोन नं. 9414271363 DIPR/C/6232/2025

आर.के. लूथरा